>

Title: Issue regarding corruption involved in giving coal blocks on lease to private sector.

श्री बंस गोपाल चौधरी (आसनसोल): माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं आपका बहुत आभारी हूं कि आपने मुझे महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया। वर्ष 2004 से कोयला क्षेत्रों में प्राइवेट सैक्टर को कोल ब्लॉक लीज़ देने के लिए कोल मिनिस्ट्री ने फैसला किया है। That C&AG report is not placed on the Table of the House. लेकिन यह कहना है कि कभी कहते हैं कि दस लाख करोड़ रूपये से ज्यादा, अभी कहते हैं एक लाख करोड़ रूपये से ज्यादा, टू-जी स्पेकट्रम से भी ज्यादा सरकार का लॉस हो चुका है। मैं यहां पर कहना चाहता हूँ कि हम लोगों से बहुत डिफरैंस होने के बाद भी इंदिरा जी ने जब कोयला क्षेत्र का नेशनलाइज़ेशन किया था तब कोल सेक्टर नेशनलाइज़ेशन के बारे में हम लोगों का कहना था कि आम आदमी के लिए, देश के लिए और कोयला क्षेत्र के वर्कर के लिए यह बहुत बड़ा आशीर्वाद है। लेकिन सरकार कोल इण्डिया को प्राइवेट क्षेत्र को देना चाहती है। अभी चाको जी हाइजेकिंग के बारे में कह रहे थे। मैडम, अभी कोल इण्डिया हाइजेक हो जाता है। Coal India has been hijacked by private partners. अभी सीएमपीडीआई - कोल माइंस प्लानिंग डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट है कि पूरे देश में जितना कोल रिज़र्व है, अगर कोल इण्डिया खुद काम करेगा, कोल इण्डिया महारत्न कंपनी है। माननीय वित्त मंत्री जी यहां पर हाजिर हैं। वित्त मंत्री जी को जानकारी है। He is a very experienced and veteran parliamentarian. He knows everything, every nook and corner of the Government. अभी कोल इण्डिया की इतनी फाइनेंशियल स्ट्रेंथ है कि वह कोयल क्षेत्र का सारा काम कर सकता है। लेकिन दुख की बात है कि हजारों-हजारों किसानों की जमीन ले कर प्राइवेट सेक्टर उन्हें न कोई नौकरी देते हैं और न ही उनके रीहैबिलिटेशन के बारे में कोई बात कर रहे हैं।

मैडम, सन् 2004 में कोल मिनिस्ट्री ने कोल सेक्टर में 195 कोल ब्लॉक्स को जो लीज़ दिया था, उसके अंदर 134 कोल ब्लॉक्स में अभी तक कोई काम चालू नहीं हुआ है। वे लोग सब-लीज़ करने के लिए, कान्ट्रेक्टर के हाथ में देने के लिए पूरी मदद कर रहे हैं। ये कोल मिनिस्ट्री आज किसकी है? आम आदमी की है। यह कोयला हमारे देश की संपदा है। हमारे देश का कोल प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए कोल इण्डिया इतना अच्छा काम कर रहा है तब कोल इण्डिया को छोड़ कर प्राइवेट सेक्टर को मदद क्यों दी जा रही है? पूरे देश में यह जो काम चल रहा है, उसमें कितना घोटाला हुआ है? यूपीए सरकार के तीन साल में कितने घोटाले हुए हैं। इसकी भी जांच होनी चाहिए। सरकार कहेगी कि अभी सीएजी की रिपोर्ट हमारे पास नहीं आई है तो सरकार को यह बोलना चाहिए कि सीएजी रिपोर्ट कहां पर है। इसकी स्थिति क्या होगी। सरकार इसके बारे में क्या कहेगी? What they are doing in the Prime Minister's Office, that should be made clear. Hon. Finance Minister is here. â€¦ (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : आपकी बात पूरी हो चुकी है, अब आप अपनी बात समाप्त करें।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Shri Rewati Raman Singh.

Nothing else will go on record now except what Rewati Raman Singhji is saying.

*(Interruptions) â€¦**

अध्यक्ष महोदया : अब आपकी बात रिकार्ड में नहीं जा रही है, आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आपकी बात रिकार्ड में नहीं जा रही है, आप बैठ जाइए। श्री रेवती रमण सिंह जी आप बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री रेवती रमण सिंह (इलाहाबाद): मैडम, पहले इनको तो चुप कराइए। ...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing else will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

अध्यक्ष महोदया : बसुदेव आचार्य जी, आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : रघुवंश बाबू, आप बैठ जाइए। अपना स्थान ग्रहण कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : श्री एम.बी. राजेश स्वयं को श्री बंस गोपाल चौधरी जी के विषय के साथ संबद्ध करते हैं।